भारतीय वैश्विक परिषद

समाचार पत्रक

अंक : 37 | अप्रैल - जून 2024

उज़्बेकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रपति के आधीन सामरिक एवं क्षेत्रीय अध्ययन संस्थान द्वारा ताशकंद में 5-6 जून 2024 को आयोजित 19वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) फोरम की बैठक। भारत ने 2024-25 वर्ष हेतु एससीओ फोरम की अध्यक्षता ग्रहण की।

"भारत-माल्टा राजनयिक संबंधों के 60 वर्ष: समालोचना और आगे की राह" पर पैनल चर्चा, 14 मई 2024

16वीं आसियान क्षेत्रीय मंच विशेषज्ञ एवं गणमान्यजनों की बैठक, सियोल, 26 अप्रैल 2024

आईसीडब्ल्यूए और टिटुलेस्कु यूरोपीय फाउंडेशन, रोमानिया के बीच 'भारत एवं रोमानिया का वैश्विक दृष्टिकोण' विषय पर बातचीत, 21 मई 2024

आईसीडब्ल्यूए और पीआईएसएम (पोलैंड) के बीच बातचीत, 28 मई 2024

विषय-सूची

शंघाई इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज (एसआईआईएस) के अध्यक्ष डॉ. चेन डोंगशियाओ के साथ महानिदेशक की बैठक, 5 अप्रैल 2024 5

माल्टा के उच्च आयुक्त महामहिम श्री रूबेन गौसी की राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 16 अप्रैल 2024 5

कैथेड्रल और जॉन कॉनन स्कूल, मुंबई के वैश्विक राजनीति एवं इतिहास के छात्रों के साथ महानिदेशक की बातचीत, 22 अप्रैल 2024 6

16वां आसियान क्षेत्रीय मंच विशेषज्ञों और गणमान्यजनों (एआरएफ ईईपी) की बैठक, सियोल, 26 अप्रैल 2024 6

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और आईआईटी धारवाड़, कर्नाटक के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, 26 अप्रैल 2024 7

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए), नई दिल्ली के सहयोग से उभरती प्रौद्योगिकियों पर एनआईएएस-आईआईएससी नीति चर्चा श्रृंखला, 29 अप्रैल 2024 7

डॉ. लक्ष्मी प्रिया, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए द्वारा लिखित "छोटे खाड़ी राष्ट्रों की बदलती विदेश नीति: ओमान की केस स्टडी" पर सप्रू हाउस शोध-पत्र (एसएचपी) चर्चा, 30 अप्रैल 2024 8

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्लल्यूए) और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, 7 मई 2024 8

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, 10 मई 2024 9

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) के महानिदेशक की केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के छात्रों के साथ बातचीत, 13 मई 2024 9

"भारत-माल्टा राजनयिक संबंधों के 60 वर्ष: समालोचना और आगे की राह" पर पैनल चर्चा, 14 मई 2024 10

भारतीय वैश्विक परिषद और टिटुलेस्कु यूरोपीय फाउंडेशन के बीच बातचीत, "भारत और रोमानिया का वैश्विक दृष्टिकोण" पर चर्चा, 21 मई 2024 11

आईसीडब्ल्यूए और पीआईएसएम (पोलैंड) के बीच बातचीत, 28 मई 2024 12

श्री अब्दुल्ला मुसाबेह अल दरमाकी, ईसीएसएसआर अध्योता और आईसीडब्ल्यूए रेजिडेंट शोधकर्ता द्वारा प्रस्तुति, 28 मई 2024 12

प्रमोटिंग रेगुलर एंड असिस्टेड माइग्रेशन फॉर यूथ एंड स्किल्ड प्रोफेशनल्स नामक आईसीडब्ल्यूए-आईओएम परियोजना (प्रयास) की दूसरी परियोजना सलाहकार समिति (स.स.) की बैठक, 3 जून, 2024 13

उज़्बेकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रपति के आधीन सामरिक एवं क्षेत्रीय अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 19वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) फोरम की बैठक, ताशकंद, 5-6 जून 2024 13

एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) की संचालन समिति की 60वीं बैठक 7 जून 2024 14

भारत में चीन के राजदूत महामहिम श्री जू फेइहोंग की राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 13 जून 2024 15

डॉ. अतहर जफर, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता, आईसीडब्ल्यूए द्वारा लिखित, "एशिया में बातचीत और विश्वास-सृजन के उपायों पर सम्मेलन: गतिशील महाद्वीप में स्थिरता और सहयोग का संवर्धन" पर सप्रू हाउस शोध-पत्र (एसएचपी) चर्चा, 14 जून 2024 15

डॉ. अन्वेषा घोष, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए द्वारा लिखित, "नई वास्तविकताओं को समझना: अफगानिस्तान के पड़ोसी राष्ट्र और तालिबान प्रशासन" पर सप्रू हाउस शोध-पत्र (एसएचपी) चर्चा, 25 जून 2024 16

आउटरीच कार्यक्रम 17

आईसीडब्ल्यूए में शोध-प्रशिक्षु 18

प्रकाशन 19

इंडिया क्वार्टरली - संपादकीय 23

शंघाई इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज (एसआईआईएस) के अध्यक्ष डॉ. चेन डोंगशियाओ के साथ महानिदेशक की बैठक, 5 अप्रैल 2024

शंघाई इंस्टीट्यूट्स फॉर इंटरनेशनल स्टडीज (एसआईआईएस) के एक प्रतिनिधिमंडल ने 5 अप्रैल 2024 को भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एसआईआईएस के अध्यक्ष प्रोफेसर चेन डोंगशियाओ ने किया। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में एसआईआईएस के दक्षिण एशिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रोफेसर लियू ज़ोंगयी; एसआईआईएस के सार्वजनिक नीति एवं नवोन्मेष अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रोफेसर यू होंगयुआन; एसआईआईएस के विश्व अर्थव्यवस्था अध्ययन संस्थान में वरिष्ठ अध्येता प्रोफेसर वांग युज़ू और एसआईआईएस के दक्षिण एशिया अध्ययन केंद्र की शोध अध्येता सुश्री ली होंगमेई शामिल थीं।

आईसीडब्ल्यूए और एसआईआईएस एमओयू भागीदार हैं। 2021 से, आईसीडब्ल्यूए भारत में एशिया में बातचीत एवं विश्वास सृजन उपायों पर सम्मेलन (सीआईसीए) का नामित थिंक टैंक रहा है। एसआईआईएस सीआईसीए थिंक-टैंक फोरम का मौजूदा अध्यक्ष है, जिसमें आईसीडब्ल्यूए हिस्सा लेता है। दोनों पक्षों ने सीआईसीए से संबंधित मामलों के साथ-साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा की।

माल्टा के उच्च आयुक्त महामहिम श्री रूबेन गौसी की राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 16 अप्रैल 2024

महामहिम श्री रूबेन गौसी, माल्टा के उच्च आयुक्त ने 16 अप्रैल 2024 को सप्रू हाउस में आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की। उन्होंने भारत-माल्टा द्विपक्षीय संबंधों और भविष्य के शैक्षणिक सहयोग पर चर्चा की।

कैथेड्रल और जॉन कॉनन स्कूल, मुंबई के वैश्विक राजनीति एवं इतिहास के छात्रों के साथ महानिदेशक की बातचीत, 22 अप्रैल 2024

मुंबई के कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल में वैश्विक राजनीति एवं इतिहास के छात्रों ने आईसीडब्ल्यूए का दौरा किया। इस दौरान, आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने 'इंडो-पैसिफिक में गतिशीलता - भू-राजनीतिक स्थिरता के निहितार्थ: भारत का दृष्टिकोण' पर एक व्याख्यान दिया। इसके बाद छात्रों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया।

16वां आसियान क्षेत्रीय मंच विशेषज्ञों और गणमान्यजनों (एआरएफ ईईपी) की बैठक, सियोल, 26 अप्रैल 2024

आसियान क्षेत्रीय मंच (एआरएफ) के विशेषज्ञों एवं गणमान्यजनों (ईईपी) की 16वीं बैठक 26 अप्रैल 2024 को सियोल, कोरिया गणराज्य (आरओके) में आयोजित की गई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता आरओके तथा ब्रुनेई दारुस्सलाम के एआरएफ ईईपी ने की। इस बैठक में राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, और अध्यक्ष, सीएससीएपी-भारत समिति, और वरिष्ठ शोध अध्येता डॉ. संजीव कुमार ने भारत की ओर से एआरएफ ईईपी के रूप में भाग लिया। बैठक में क्षेत्र में मुद्दों और चुनौतियों के साथ-साथ एआरएफ ईईपी के लिए भविष्य की दिशा पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने अपने भाषणों में एशिया-प्रशांत, भारत-प्रशांत क्षेत्र के सामने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा संबंधी चुनौतियों पर प्रकाश डाला और सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और आईआईटी धारवाड़, कर्नाटक के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, 26 अप्रैल 2024

आईसीडब्ल्यूए और आईआईटी धारवाड़, कर्नाटक, जो 2016 में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में स्थापित 23 आईआईटी में से एक है, ने अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान को बढ़ाने के अपने लक्ष्य को हासिल करने हेतु सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की है। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ ने 1 मार्च 2024 को आईआईटी धारवाड़ का दौरा किया और आईसीडब्ल्यूए और आईआईटी धारवाड़ के बीच एक समझौता ज्ञापन की घोषणा की। इस समझौता ज्ञापन पर 26 अप्रैल 2024 को हस्ताक्षर किए गए, जो तीन वर्ष के लिए वैध होगा।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए), नई दिल्ली के सहयोग से उभरती प्रौद्योगिकियों पर एनआईएएस-आईआईएससी नीति चर्चा श्रृंखला, 29 अप्रैल 2024

एनआईएएस और डीएसटी - सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, आईआईएससी ने आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से 29 अप्रैल 2024 को हाइब्रिड मोड में "उभरती प्रौद्योगिकी एवं भारतीय कूटनीति" पर आईसीडब्ल्यूए की रिपोर्ट के आधार पर उभरती प्रौद्योगिकियों पर एक समीक्षा चर्चा का आयोजन किया।

आईसीडब्ल्यूए की शोध निदेशक डॉ. निवेदिता रे ने परिचयात्मक सत्र में वक्ता के रूप में हिस्सा लिया। अन्य वक्ताओं में एनआईएएस के निदेशक प्रोफेसर शैलेश नायक; डीएसटी-सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, आईआईएससी के समन्वयक प्रोफेसर अबिननंदन और एनआईएएस के डॉ. सुबा चंद्रन शामिल थे। समीक्षा चर्चा के पैनलिस्ट में डॉ. छगुन बाशा, मुख्य नीति सलाहकार, नीति विश्लेषण और अंतर्दृष्टि इकाई, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय; डॉ. सूर्येश नामदेव, वरिष्ठ अनुसंधान विश्लेषक, डीएसटी सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, आईआईएससी, डॉ. पीएम सौंदर राजन, विजिटिंग प्रोफेसर, अंतर्राष्ट्रीय सामरिक एवं सुरक्षा अध्ययन कार्यक्रम; डॉ. नितिन नागराज, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज, एनआईएएस; और डॉ. शंकर सेल्वाराजा, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएससी शामिल थे।

डॉ. लक्ष्मी प्रिया, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए द्वारा लिखित "छोटे खाड़ी राष्ट्रों की बदलती विदेश नीति: ओमान की केस स्टडी" पर सप्रू हाउस शोध-पत्र (एसएचपी) चर्चा, 30 अप्रैल 2024

डॉ. लक्ष्मी प्रिया, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए द्वारा "छोटे खाड़ी राष्ट्रों की बदलती विदेश नीति: ओमान की केस स्टडी" शीर्षक से लिखित सप्रू हाउस शोध पत्र (एसएचपी) पर चर्चा 30 अप्रैल 2024 को हुई। शोध पत्र में इस विषय पर चर्चा की गई कि खाड़ी क्षेत्र तेजी से बदल रहा है, और छोटे जीसीसी देश तदनुसार दूसरे राष्ट्रों के साथ अपने व्यवहार में बदलाव ला रहे हैं। यह छोटे खाड़ी राष्ट्रों की बदलती विदेश नीति को समझने और ओमान पर केंद्रित शोध पत्रों की श्रृंखला का तीसरा शोध पत्र है। शोध पत्र को तीन खंडों में विभाजित किया गया है। पहले खंड में भूगोल, जनसांख्यिकी, समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा व सहायता, क्षेत्रीय पर्यावरण और अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण सहित ओमान की विदेश नीति के निर्धारकों पर चर्चा की गई है। दूसरे खंड में ओमान की विदेश नीति के विकास का विवरण दिया गयाहै। तीसरे खंड में ओमान की विदेश नीति की बदलती गतिशीलता पर चर्चा की गई है। अंत में, शोध पत्र के निष्कर्ष खंड में भारत-ओमान संबंधों पर नीतिगत सिफारिशें दी गई हैं।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, 7 मई 2024

आईसीडब्ल्यूए और बहु-विषयक एनएएसी मान्यता प्राप्त A+ विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा, जो 1956 में स्थापित हुआ और कुरुक्षेत्र, हरियाणा में स्थित है, ने अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान को बढ़ाने के अपने लक्ष्य को हासिल करने हेतु सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की है। एमओयू पर 7 मई 2024 को हस्ताक्षर किए गए, जो तीन वर्ष के लिए वैध होगा।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, 10 मई 2024

आईसीडब्ल्यूए और महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल ने अंतर्राष्ट्रीय मामलों एवं भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान बढ़ाने के अपने लक्ष्य को हासिल करने हेतु सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की है। समझौता ज्ञापन पर 10 मई 2024 को हस्ताक्षर किए गए, जो तीन वर्ष के लिए वैध होगा।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) के महानिदेशक की केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के छात्रों के साथ बातचीत, 13 मई 2024

केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने 13 मई 2024 को आईसीडब्ल्यूए का दौरा किया। आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने भू-राजनीति, भू-अर्थशास्त्र और भारतीय विदेश नीति में मौजूदा रुझानों पर एक व्याख्यान दिया। इसके बाद छात्रों के साथ एक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया।

"भारत-माल्टा राजनयिक संबंधों के 60 वर्ष: समालोचना और आगे की राह" पर पैनल चर्चा, 14 मई 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 14 मई 2024 को सप्रू हाउस में 'भारत-माल्टा राजनयिक संबंधों के 60 वर्ष: समालोचना और आगे की राह' पर एक पैनल चर्चा आयोजित की। चर्चा में, आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह और भारत में माल्टा के उच्चायुक्त महामहिम रूबेन गौसी ने स्वागत भाषण दिया। इस पैनल चर्चा में जॉर्डन, लीबिया और माल्टा में भारत के पूर्व राजदूत, राजदूत अनिल त्रिगुणायत और भारत में माल्टा के उच्चायोग के मिशन के उप प्रमुख श्री इवान वासलो पैनलिस्ट थे। भारत और माल्टा के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों के पिछले प्रक्षेपवक्र और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने हेतु आगे की राह पर चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच सरकार-से-सरकार और लोगों-से-लोगों के संबंधों के इतिहास पर प्रस्तुतियाँ दी गईं।

भारतीय वैश्विक परिषद और टिटुलेस्कु यूरोपीय फाउंडेशन के बीच बातचीत, "भारत एवं रोमानिया का वैश्विक दृष्टिकोण" पर चर्चा, 21 मई 2024

आईसीडब्ल्यूए और टिटुलेस्कु यूरोपीय फाउंडेशन (टीईएफ) ने 21 मई 2024 को "भारत एवं रोमानिया का वैश्विक दृष्टिकोण" पर एक ऑनलाइन चर्चा आयोजित की। उद्घाटन सत्र में आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह द्वारा स्वागत भाषण दिया गया, इसके बाद टीईएफ के अध्यक्ष और रोमानिया के पूर्व पीएम प्रोफेसर एड्रियन नास्तासे, रोमानिया में भारत के राजदूत राजदूत राहुल श्रीवास्तव और भारत में रोमानिया की राजदूत राजदूत डेनिएला-मारियाना सेजोनोव ताने ने भाषण दिया। रोमानिया के चर्चाकर्ताओं में रोमानिया के पूर्व विदेश मंत्री श्री क्रिस्टियन डायकोनेस्कु, पूर्व एमईपी श्री विक्टर बोस्टिनारू और रोमानिया के राजदूत श्री ओविडिउ इंगा शामिल थे। भारतीय चर्चाकर्ताओं में रूस में भारत के पूर्व राजदूत राजदूत डीबी वेंकटेश वर्मा और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गुलशन सचदेवा शामिल थे। उन्होंने निवेश व व्यापार, हरित अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

आईसीडब्ल्यूए और पीआईएसएम (पोलैंड) के बीच बातचीत, 28 मई 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 28 मई 2024 को सप्रू हाउस में पोलिश इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स (पीआईएसएम) के डॉ. पैट्रिक कुगील के साथ बातचीत की। इस बातचीत की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की और उसके बाद आईसीडब्ल्यूए रिसर्च फैकल्टी के साथ प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान होने वाली चर्चाएँ यूक्रेन युद्ध के यूरोपीय सुरक्षा, ट्रांस-अटलांटिक साझेदारी और इंडो-पैसिफिक पर पड़ने वाले प्रभाव पर केंद्रित थीं। पीआईएसएम आईसीडब्ल्यूए का एमओयू साझेदार है।

श्री अब्दुल्ला मुसाबेह अल दरमाकी, ईसीएसएसआर अध्येता और आईसीडब्ल्यूए रेजिडेंट शोधकर्ता द्वारा प्रस्तुति, 28 मई 2024

ईसीएसएसआर, यूएई के आईसीडब्ल्यूए रेजिडेंट रिसर्च स्कॉलर श्री अब्दुल्ला मुसाबेह अल दरमाकी ने मंगलवार, 28 मई 2024 को सप्रू हाउस में "भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा: अवसर और चुनौतियां" पर एक प्रस्तुति दी। इस सत्र की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक ने की। प्रस्तुति में आईएमईसी सदस्य देशों के भू-राजनीतिक परिदृश्य, संभावित अवसरों और प्रस्तावित गलियारे की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई, साथ ही भारत की आर्थिक क्षमता, यूएई और सऊदी अरब में अवसंरचना के विकास और अरब देशों के साथ इजरायल के संबंधों पर संभावित प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। इस बात पर चर्चा हुई कि गलियारा किस तरह क्षेत्रीय स्थिरता और शांति में योगदान दे सकता है, राजनयिक संबंधों को बढ़ावा दे सकता है, कनेक्टिविटी में सुधार कर सकता है और व्यापार लागत को कम कर सकता है और विकास को बढ़ावा दे सकता है।

ईसीसीएसआर, यूएई के शोध अध्येता श्री अब्दुल्ला मुसाबेह अल दरमाकी ने रेजिडेंट रिसर्च स्कॉलर के रूप में 20 अप्रैल 2024 से 2 जून 2024 तक आईसीडब्ल्यूए का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने आईसीडब्ल्यूए के शोध संकाय के साथ बातचीत की, वरिष्ठ राजनयिकों से मुलाकात की और दिल्ली में विभिन्न थिंक टैंक/विश्वविद्यालयों के साथ बातचीत की। उन्होंने 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा: अवसर और चुनौतियां' विषय पर शोध किया।

प्रमोटिंग रेगुलर एंड असिस्टेड माइग्रेशन फॉर यूथ एंड स्किल्ड प्रोफेशनल्स नामक आईसीडब्ल्यूए-आईओएम परियोजना (प्रयास) की दूसरी परियोजना सलाहकार समिति (स.स.) की बैठक, 3 जून, 2024

आईसीडब्ल्यूए में आईसीडब्ल्यूए में सेंटर फॉर माइग्रेशन, मोबिलिटी एंड डायस्पोरा स्टडीज (सीएमएमडीएस) ने 3 जून, 2024 को नई दिल्ली में आयोजित आईसीडब्ल्यूए-आईओएम परियोजना प्रमोटिंग रेगुलर एंड असिस्टेड माइग्रेशन फॉर यूथ एंड स्किल्ड प्रोफेशनल्स (प्रयास) की दूसरी परियोजना सलाहकार समिति (स.स.) बैठक में भाग लिया। संयुक्त सचिव, ईपीएंडडब्ल्यू, विदेश मंत्रालय अर्चना नायर द्वारा विशेष वक्तव्य, आईओएम इंडिया हेड, संजय अवस्थी द्वारा स्वागत भाषण, तथा राजदूत, सीएमएमडीएस, आईसीडब्ल्यूए द्वारा आरंभिक वक्तव्यों से चर्चा को काफी लाभप्रद रही। कौशल विकास एवं रोजगार वर्टिकल, नीति आयोग के विशेषज्ञ, सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज (सीडीएस), केरल की डॉ. प्रवीणा कोडोथ, तथा फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे की सहायक प्रोफेसर डॉ. दिव्या बालन ने अपने विचार प्रस्तुत किए। आईसीडब्ल्यूए की इंटर्न आकांक्षा सिंह ने भी इस कार्यक्रम में सहयोग किया। प्रयास परियोजना का उद्देश्य प्रवासन और गतिशीलता के हालिया रुझानों का खाका तैयार करना तथा केंद्र-राज्य स्तर पर छात्रों और कुशल पेशेवरों के सुरक्षित, व्यवस्थित और नियमित प्रवासन हेतु चल रही पहलों को समेकित करना है।

उज़्बेकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रपति के आधीन सामरिक एवं क्षेत्रीय अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 19वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) फोरम की बैठक, ताशकंद, 5-6 जून 2024

आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह के नेतृत्व में आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल ने 5-6 जून 2024 को ताशकंद में आयोजित 19वें एससीओ फोरम की बैठक में भाग लिया। 19वें एससीओ फोरम का आयोजन उज्बेकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रपति के तहत सामरिक एवं क्षेत्रीय अध्ययन संस्थान (आईएसआरएस) द्वारा किया गया था। आईसीडब्ल्यूए और आईएसआरएस समझौता ज्ञापन भागीदार

हैं। आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में प्रोफेसर संजय कुमार पांडे, रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; श्री नवोदित वर्मा, यूएस, एससीओ, एमईए; डॉ. अतहर जफर, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए; और डॉ. पुनीत गौड़, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए शामिल थे। फोरम के प्रतिभागियों ने अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास तथा एससीओ की भूमिका पर चर्चा की। एससीओ क्षेत्र में आर्थिक सहयोग को और बढ़ाने तथा सुरक्षा, संपर्क तथा जलवायु परिवर्तन चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर सुझाव दिए गए। बैठक में भारत ने 2024-25 के लिए एससीओ फोरम की अध्यक्षता संभाली। फोरम के इतर, आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल ने ताशकंद स्थित अंतर्राष्ट्रीय मध्य एशिया संस्थान (आईआईसीए) और उज्बेकिस्तान स्थित एससीओ सेंटर फॉर पब्लिक डिप्लोमेसी का भी दौरा किया तथा आपसी हितों के क्षेत्रीय और द्विपक्षीय मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) की संचालन समिति की 60वीं बैठक, 7 जून 2024

एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) की 60वीं संचालन समिति की बैठक 7 जून 2024 को मलेशिया के कुआलालंपुर स्थित हिल्टन होटल में आयोजित की गई। सीएससीएपी-भारत के वरिष्ठ शोध अध्येता और समन्वयक डॉ. संजीव कुमार ने सीएससीएपी योजना समिति, वित्त समिति और संचालन समिति की बैठक में भाग लिया। तीनों बैठकों की सह-अध्यक्षता प्रो. फैज अब्दुल्ला (आसियान अध्यक्ष) और डॉ. चार्ल्स लैब्रेक (गैर-आसियान अध्यक्ष) ने की। वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के विभिन्न विषयों के साथ-साथ वित्तीय और प्रशासनिक मामलों पर चल रहे और नए अध्ययन समूहों पर चर्चा हुई।

भारत में चीन के राजदूत महामहिम श्री जू फेइहोंग की राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 13 जून 2024

भारत में चीन के राजदूत महामहिम श्री जू फेइहोंग ने 13 जून 2024 को सप्रू हाउस में राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की। उन्होंने भविष्य के शैक्षणिक सहयोग और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की।

डॉ. अतहर जफर, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता, आईसीडब्ल्यूए द्वारा लिखित, "एशिया में बातचीत और विश्वास-सृजन के उपायों पर सम्मेलन: गतिशील महाद्वीप में स्थिरता और सहयोग का संवर्धन" पर सप्रू हाउस शोध-पत्र (एसएचपी) चर्चा, 14 जून 2024

14 जून 2024 को, आईसीडब्ल्यूए ने "एशिया में बातचीत और विश्वास-सृजन उपायों पर सम्मेलन: एक गतिशील महाद्वीप में स्थिरता और सहयोग का संवर्धन" पर एक एसएचपी चर्चा की मेजबानी की, जिसे आईसीडब्ल्यूए के वरिष्ठ शोध अध्येता डॉ. अतहर ज़फ़र ने लिखा था। इस शोधपत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग को बढ़ाने और प्रबंधित करने में सीआईसीए की भूमिका के बारे में बात की गई। शोधपत्र चर्चा की अध्यक्षता उज्बेकिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत, राजदूत विनोद कुमार ने की। दो चर्चाकर्ताओं में प्रोफेसर संजय देशपांडे, निदेशक, यूरेशियन अध्ययन कार्यक्रम, मुंबई विश्वविद्यालय और एसोसिएट प्रोफेसर महेश देबता, आंतरिक एशियाई अध्ययन केंद्र, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली शामिल थे।

शोधपत्र में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि सीआईसीए भारत के लिए किस तरह से महत्व रखता है, खासकर परिवहन, ऊर्जा, व्यापार एवं अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में। चर्चा के दौरान, यह सुझाव दिया गया कि सीआईसीए विभिन्न सीबीएम और पहलों, जैसे थिंक टैंक फोरम, बिजनेस काउंसिल और यूथ काउंसिल के माध्यम से एशिया में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में योगदान देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे कई क्षेत्र हैं जहाँ भारत सीआईसीए के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा कर सकता है, जिसमें कनेक्टिविटी परियोजनाएँ, एमएसएमई क्षेत्र, फार्मास्यूटिकल्स, आईटी, स्टार्ट-अप और नवोन्मेष शामिल हैं। पर्यावरण क्षेत्र में सहयोग को सीआईसीए के लिए मुख्य केन्द्रीय क्षेत्रों में से एक के रूप में माना गया है।

डॉ. अन्वेषा घोष, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए द्वारा लिखित, "नई वास्तविकताओं को समझना: अफगानिस्तान के पड़ोसी राष्ट्र और तालिबान शासन" पर सप्रू हाउस शोध-पत्र (एसएचपी) चर्चा, 25 जून 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 25 जून 2024 को अफगानिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत, राजदूत राकेश सूद की अध्यक्षता में डॉ. अन्वेषा घोष, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए द्वारा लिखित, "नई वास्तविकताओं को समझना: अफगानिस्तान के पड़ोसी राष्ट्र और तालिबान शासन" विषय पर एक एसएचपी चर्चा आयोजित की। आईसीडब्ल्यूए की अनुसंधान निदेशक डॉ. निवेदिता रे ने परिचयात्मक भाषण दिया। दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. धनंजय त्रिपाठी और सुरक्षा, रणनीति और प्रौद्योगिकी केंद्र के वरिष्ठ अध्येता और ओआरएफ मुंबई के उप निदेशक डॉ. समीर पाटिल चर्चा में शामिल थे।

आउटरीच कार्यक्रम

"भारत की विदेश नीति: मध्य एशिया पर ध्यान केन्द्रित करते हुए वैश्विक वास्तविकताओं को समझना" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला, 29–30 अप्रैल 2024

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएचपी) के राजनीति विज्ञान विभाग ने 29-30 अप्रैल 2024 को "भारत की विदेश नीति: मध्य एशिया पर ध्यान केन्द्रित करते हुए वैश्विक वास्तविकताओं को समझना" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का आयोजन आईसीडब्ल्यूए, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया तथा कार्यशाला के लिए परिषद द्वारा डॉ. अतहर जफर, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए को नामित किया गया। कार्यशाला का आयोजन सीयूएचपी के सप्त सिंधु परिसर, देहरा में किया गया तथा उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल तथा अन्य प्रतिभागियों ने संबोधित किया। कार्यशाला में दो दिनों तक चलने वाले सत्रों में भारत की विदेश नीति, मध्य एशिया के साथ भारत के संबंध और बढ़ती कनेक्टिविटी, एससीओ जैसी बहुपक्षीय पहलों के साथ भारत की भागीदारी, दक्षिण काकेशस में हाल के घटनाक्रम और इस क्षेत्र के साथ भारत के जुड़ाव जैसे विषयों को शामिल किया गया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र, विद्वान और संकाय सदस्य शामिल हुए।

आईसीडब्ल्यूए में शोध-प्रशिक्षु

अर्नव मिश्रा
क्राइस्ट यूनिवर्सिटी

आकांक्षा सिंह
क्राइस्ट यूनिवर्सिटी

पल्किन लांबा
क्राइस्ट यूनिवर्सिटी

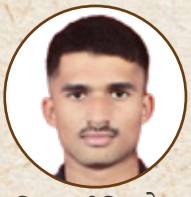
दिव्यज्योति स्वैन
क्राइस्ट यूनिवर्सिटी

कनिष्क अजमेरा
क्राइस्ट यूनिवर्सिटी

शार्लिन जोसेफ
क्राइस्ट यूनिवर्सिटी

सिबानी चौधरी
क्राइस्ट यूनिवर्सिटी

कुशाग्र कुशवाह
मणिपाल विश्वविद्यालय

अबोन गुप्तू
मणिपाल विश्वविद्यालय

सौरव दास
मणिपाल विश्वविद्यालय

आर. अजितेश
मणिपाल विश्वविद्यालय

दहगाम मनस्विनी श्रीवास्तव
मणिपाल विश्वविद्यालय

मार्शलिन मैथ्यू
मणिपाल विश्वविद्यालय

अशमिता दत्ता
मणिपाल विश्वविद्यालय

पी राम कृष्णा तेजा
मणिपाल विश्वविद्यालय

दीया चौधरी
शिव नादर विश्वविद्यालय

गायत्री सिंह
शिव नादर विश्वविद्यालय

भारतीय वैश्विक परिषद प्रकाशन

मुद्दा संक्षिप्त

1. डॉ. गौरी नारायण माथुर, सोमालीलैंड-इथियोपिया समझौता: प्रभाव और निहितार्थ (01 अप्रैल 2024)
2. स्यामकुमार वी., डीआरसी में 23 मार्च के विद्रोही समूह के पुनः उभरने से क्षेत्रीय स्थिति की बढ़ती जटिलता (02 अप्रैल 2024)
3. डॉ. टुंचिनमंग लैंगल, यूएनएससी में जापान और कोरिया गणराज्य द्वारा गाजा में युद्धविराम पर जोर (10 अप्रैल 2024)
4. डॉ. फज्जुर रहमान सिद्दीकी, सीरिया के लिए गाजा युद्ध के क्या मायने हैं? (12 अप्रैल 2024)
5. अवनी सबलोक, जी20 प्रक्रिया में भारत का योगदान: महिलानीत विकास पर ध्यान (24 अप्रैल 2024)
6. नित्याकल्याणी नारायणन वी., समुद्री प्रवासियों एवं शरणार्थियों की सुरक्षा के लिए कानूनी सुरक्षा उपाय और कार्रवाई (30 अप्रैल 2024)
7. डॉ. टुनचिनमंग लैंगल, दक्षिण कोरिया के 22वें नेशनल असेंबली चुनाव 2024 के परिणामों की विवेचना (01 मई 2024)
8. डॉ. टेशु सिंह, ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास उभरती सुरक्षा स्थिति (02 मई 2024)
9. डॉ. अर्नब चक्रबर्ती, पनामा नहर के जल–स्तर में कमी – एक अवलोकन (02 मई 2024)
10. सुबोध चंद्र भारती, 'नेपाल निवेश शिखर सम्मेलन' और नेपाल की विकास आकांक्षाएँ (03 मई 2024)
11. डॉ. हिमानी पंत, यूक्रेन में मौजूदा हालात (03 मई 2024)
12. डॉ. श्रबना बरुआ, पाकिस्तान में नई सरकार के दो महीने: इसकी विदेश नीति दृष्टिकोण और चुनौतियों का विश्लेषण (09 मई 2024)
13. डॉ. समथा मल्लेम्पति, ईरान के साथ श्रीलंका की हालिया भागीदारी: एक मजबूत संबंध बनाने की दिशा में (13 मई 2024)
14. डॉ. स्तुति बनर्जी, विदेश नीति और अमेरिकी मतदाता (17 मई 2024)
15. डॉ. अरशद, विघटनकर्ता के रूप में तुर्किये: भू-राजनीतिक तनाव के विभिन्न क्षेत्रों में इसकी भूमिका (20 मई 2024)
16. डॉ. पुनीत गौर, चाबहार बंदरगाह समझौता: मध्य एशियाई कनेक्टिविटी की दिशा में भारत का कदम (21 मई 2024)
17. डॉ. तुंचिनमंग लैंगेल, दक्षिण कोरिया-जापान-चीन त्रिपक्षीय नेताओं के शिखर सम्मेलन 2024 को फिर से शुरू करना (04 जून 2024)
18. अमन कुमार, शी की यूरोप यात्रा: एजेंडा, परिणाम और यूरोपीय संघ-चीन संबंधों का भविष्य (12 जून 2024)
19. केशव वर्मा, अंडरवाटर डोमेन अवेयरनेस: भारत के लिए चुनौतियाँ और अवसर (12 जून 2024)
20. डॉ. प्रज्ञा पांडे, न्यू कैलेडोनिया में अशांति: यह सब क्या है? (14 जून 2024)
21. डॉ. स्तुति बनर्जी, मेक्सिको की नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के समक्ष चुनौतियाँ (18 जून 2024)
22. दिव्यज्योति स्वेन, सीबीएएम से निपटना: भारत की उत्सर्जन व्यापार प्रणाली (20 जून 2024)
23. अर्नव मिश्रा, पाकिस्तान के भीतर आईएसकेपी लिंक (25 जून 2024)
24. पलकिन लांबा, चीनी इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग: यह किस दिशा में जा रहा है? (25 जून 2024)
25. मधुश्री द्विवेदी, सतत ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना: बांग्लादेश के प्रयासों का अवलोकन (26 जून 2024)
26. आकांक्षा सिंह, यूरोप और खाड़ी की देखभाल अर्थव्यवस्थाओं में प्रवासी महिला कर्मचारी (26 जून 2024)
27. डॉ. टुनचिनमंग लैंगल, पूर्वोत्तर एशिया में उत्तर कोरियाई गतिरोध (27 जून 2024)
28. कुशाग्र कुशवाहा, ईरान 2024 चुनाव: एक आकलन (27 जून 2024)

दृष्टिकोण

1. डॉ. अर्नब चक्रवर्ती, फ़ॉकलैंड द्वीप समूह (इस्लास माल्विनास) पर अर्जेंटीना के दावे की चुनौतियाँ (02 अप्रैल 2024)
2. डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी, पाकिस्तान की 14वीं नेशनल असेंबली (05 अप्रैल 2024)
3. डॉ. अरशद, इज़राइल पर ईरान का हालिया हमला: पड़ोसी देशों की प्रतिक्रियाएँ (19 अप्रैल 2024)
4. डॉ. लक्ष्मी प्रिया, जीसीसी और इज़राइल पर ईरानी मिसाइल हमला (24 अप्रैल 2024)
5. डॉ. समथा मल्लेम्पति, मालदीव में 2024 के संसदीय चुनावों का विश्लेषण (30 अप्रैल 2024)
6. केशव वर्मा, भारत के पथ का मानचित्रण: मलबे से मुक्त अंतरिक्ष भविष्य की ओर अग्रसर, (02 मई 2024)
7. डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी, ईरानी राष्ट्रपति रईसी की पाकिस्तान यात्रा, (03 मई 2024)
8. डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्य, प्रधानमंत्री शेख हसीना की थाईलैंड की पांच दिवसीय यात्रा: बांग्लादेश और थाईलैंड के बीच बढ़ते संबंध (07 मई 2024)
9. डॉ. श्रीपति नारायणन, इंडोनेशिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो की चीन और जापान की यात्रा (07 मई 2024)
10. अमन कुमार, जॉर्जिया में विरोध प्रदर्शन और क्षेत्रीय भू-राजनीति पर इसके व्यापक प्रभाव (10 मई 2024)
11. डॉ. प्रज्ञा पांडे, सोलोमन द्वीप को मिला नया प्रधानमंत्री: दक्षिण प्रशांत भू-राजनीतिक स्थिति के लिए यह महत्वपूर्ण क्यों (10 मई 2024)
12. स्यामकुमार वी., वन और जलवायु कार्रवाई पर संयुक्त राष्ट्र मंच: पहल और चुनौतियाँ (13 मई 2024)
13. अनुभा गुप्ता, ऊर्जा सुरक्षा और हाइड्रोजन की भूमिका (14 मई 2024)
14. डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्य, भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों का सुदृढ़ीकरण (14 मई 2024)
15. डॉ. श्रबना बरुआ, चीन के मिशन पर होकर सवार होकर पाकिस्तान ने चंद्रमा पर भेजा एक उपग्रह (16 मई 2024)
16. डॉ. अर्नब चक्रवर्ती, हैती में राजनीतिक संकट- असंख्य चुनौतियाँ (29 मई 2024)
17. डॉ. टुनचिनमंग लैंगेल, हिंद-प्रशांत के लिए एक नया त्रिपक्षीय: जापान, फिलीपींस और संयुक्त राज्य अमेरिका (29 मई 2024)
18. डॉ. टेशु सिंह, शी जिनपिंग की फ्रांस, सर्बिया और हंगरी की यात्रा (30 मई 2024)
19. डॉ. हिमानी पंत, यूरोपीय संसदीय चुनाव 2024 से मुख्य निष्कर्ष, (18 जून 2024)
20. डॉ. श्रीपति नारायणन, कंबोडिया: थाईलैंड की खाड़ी के लिए चीन का प्रवेश द्वार? (19 जून 2024)
21. डॉ. अरशद, ट्यूनीशिया-इज़राइल संबंध सामान्यीकरण प्रक्रिया: यह किस दिशा में जा रही है? (19 जून 2024)
22. सुबोध चंद भारती, उपक्षेत्रीयवाद को पुनर्जीवित करने के लिए भारत का प्रयास (20 जून 2024)
23. सिबानी चौधरी, भारत-चीन सीमा पर शियाओकांग का गूढ़ रहस्य (21 जून 2024)
24. शर्लिन जोसेफ, अफ्रीकी समुद्री केबलों के लिए जोखिम और उनके निहितार्थ (26 जून 2024)
25. अर्णव मिश्रा, काकेशस में इस्लामिक स्टेट (27 जून 2024)
26. कनिष्का अजमेरा, नॉर्वे की आर्कटिक परिषद की अध्यक्षता, 2023-2025 (27 जून 2024)
27. डॉ. श्रीपति नारायणन, पुतिन का वियतनाम दौरा, 2023-2025 (27 जून 2024)

विशेष रिपोर्ट

1. डॉ. पुनीत गौड़, समकालीन मध्य एशियाः उभरती चुनौशतयाँ और अवसर (01 अप्रैल 2024)
2. विजय आनंद पाणिगढ़ी, जलवायु परिवर्तन शमन की दौड़ का नेतृत्व कर रहा है भारत : इसकी वैश्विक पहल पर एक ध्यानाकर्षण (16 अप्रैल 2024)
3. राजदूत, अपतटीय शरण प्रसंस्करण: यूके-रवांडा योजना (03 मई 2024)
4. केशव वर्मा, ध्रुवीय कूटनीति में भारत की उभरती भूमिका (15 मई 2024)
5. अमन कुमार, नागोर्नो-काराबाख के बाद: कॉकस में बदलती गतिशीलता के बीच रूस-आर्मेनिया संबंध (20 मई 2024)
6. डॉ. फज्जुर रहमान सिद्दीकी, इजरायल-हमास युद्ध और मौजूदा शांति प्रयास (31 मई 2024)
7. सुबोध चंद्र भारती, नेपाल में गठबंधन की राजनीति, नेपाल में राजनीतिक झटके और अनिश्चितता (27 जून 2024)

भारतीय वैश्विक परिषद पुस्तकें

बांग्लादेश युद्ध कमेंटरी 1971 रेडियो प्रेषण

(बांग्ला संस्करण)

यू.एल. बरुआ

(भारतीय वैश्विक परिषद; प्रभात प्रकाशन, 2024)

सऊदी अरबिया इन अ मल्टीपोलर वर्ल्ड चेंजिंग डायनामिक्स

(उर्दू संस्करण)

जाकिर हुसैन

(भारतीय वैश्विक परिषद; प्रभात प्रकाशन, 2024)

भारत -नेपाल खुली सीमा: अवसर एवं चुनौतियाँ

डॉ. पंकज कुमार वर्मा

(भारतीय वैश्विक परिषद; प्रभात प्रकाशन, 2024)

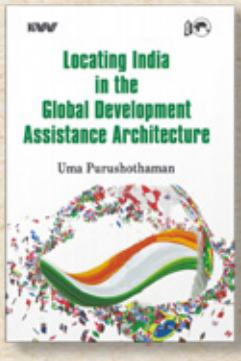

Locating India in the Global Development Assistance Architecture

By Uma Purushothaman

(Indian Council of World Affairs; KW Publishers, 2024)

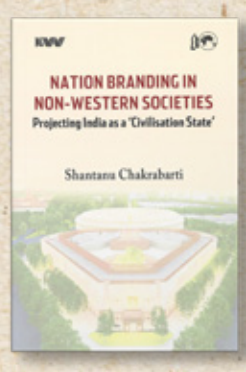

Nation Branding in Non-Western Societies: Projecting India as a 'Civilisation State'

By Shantanu Chakrabarti

(Indian Council of World Affairs; KW Publishers, 2024)

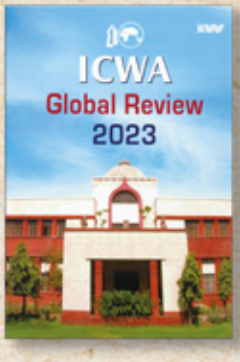

ICWA Global Review – 2023,

(Indian Council of World Affairs; KW Publishers, 2024)

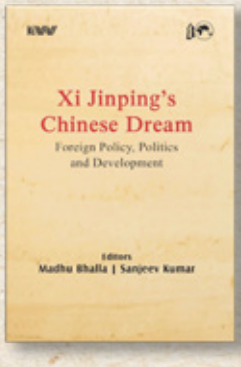

Xi Jinping's Chinese Dream: Foreign Policy, Politics and Development,

Edited by Madhu Bhalla and Dr. Sanjeev Kumar

(Indian Council of World Affairs; KW Publishers, 2024)

Shanghai Cooperation Organization: Reconnect ~ Rejuvenate,

Edited by Dr. Athar Zafar

(Indian Council of World Affairs; KW Publishers, 2024)

सप्रू हाउस शोध-पत्र

Changing Foreign Policy of Smaller Gulf States: A Case Study of Oman

Dr. Lakshmi Priya,

(Indian Council of World Affairs 2024)

विशेष प्रकाशन

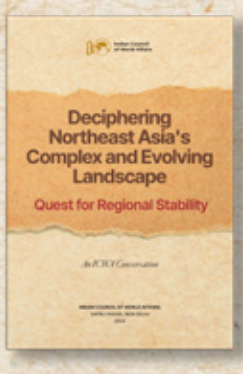

'Deciphering Northeast Asia's Complex and Evolving Landscape: Quest for Regional Stability: An ICWA Conversation',

(April 2024)

'Sahelian Politics at Crossroads: Governance and Security Challenges Ahead: An ICWA Conversation',

(May 2024)

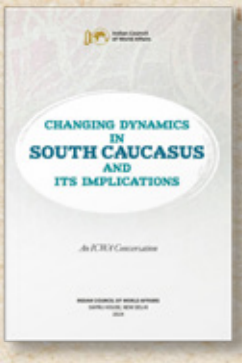

'Changing Dynamics in South Caucasus and its Implications: An ICWA Conversation',

(May 2024)

'Renewing Quad: Between Challenges and Opportunities',

(June 2024)

इण्डिया क्वार्टरली, ए जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स

खंड 80, अंक 2, जून 2024

संपादकीय

दुनिया के लिए अपनी अर्थव्यवस्था को खोलने के बाद से भारत की विदेश नीति में आमूलचूल बदलाव हुआ है। कई क्षेत्रों में पहुंच का रास्ता खुलने से भारत की कूटनीतिक पहुँच अब पहले से कहीं अधिक व्यापक और गहरी हो गई है।

इसका एक दूसरा पहलू यह भी है कि देश जिन मुद्दों का सामना करता है, वे मूर्त और अमूर्त दोनों तरह के हैं, जिसमें आर्थिक अस्तित्व संस्कृति से और संस्कृति सत्ता से इस तरह जुड़ा हुआ है, जैसा पहले कभी देखने को नहीं मिलता था। इसने जिन नई पहलों को अपनाया है, उनमें से कई काफी सफल रही हैं, जबकि अन्य पहलें विकास, सतत विकास और आधुनिकीकरण के स्थानीय दृष्टिकोण और समझ से परे निरंतर आगे बढ़ रही हैं। जैसे-जैसे नीति निर्माता अपना काम करते जा रहे हैं, इंडिया क्वार्टरली के इस अंक के लेख इससे जुड़ी वास्तविकता को दर्शा रहे हैं और नीति के अंतिम पंक्ति के लाभार्थियों के लिए सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने हेतु इनमें से कई पहलों को फिर से कैसे समायोजित किया जाए, इस पर सिफारिशें भी सामने रख रहे हैं।

आर्थिक नीति हेतु गांधी परीक्षण विदेश नीति के लिए भी प्रासंगिक है। इसलिए, नीति निर्माताओं को आजीविका संबंधी चिंताओं के साथ-साथ सुरक्षा हितों, सामुदायिक अधिकारों के साथ वस्तुकरण पर नवउदारवादी ध्यान तथा राष्ट्रीय नीतियों के साथ अंतरराष्ट्रीय समाधानों में भी संतुलन बनाए रखने का चुनौतीपूर्ण कार्य करना पड़ता है, जिसे इस अंक के कई लेखों में भी बताया गया है।

इसमें, जबकि एक लेख में एक्ट ईस्ट नीति को इस मायने में सफल माना गया है कि यह भारत के उत्तर पूर्व को दक्षिण पूर्व एशिया से जोड़ने में पहले की लुक ईस्ट नीति से अधिक सफल है, तो वहीं भारत के उत्तर पूर्व में खाद्य सुरक्षा के अंतर-विषयक अध्ययन में यह पाया गया है कि एक्ट ईस्ट नीति भोजन तक पहुंच सुनिश्चित करने और इसे बढ़ाने के बजाय क्षेत्र में स्थायी खाद्य पैटर्न को जोखिम में डालती है। जलवायु परिवर्तन पर, हम वैश्विक जलवायु परिवर्तन नीति में नई दिल्ली की अग्रणी भूमिका के सकारात्मक आकलन को वैश्विक वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान से निपटने हेतु क्षेत्रीय दृष्टिकोणों की आवश्यकता के अधिक बड़ा आकलन मानते हैं, इस मामले में एसईएएन में, लेकिन दक्षिण एशिया से भी कुछ सबक सीखे जा सकते हैं। अंत में, क्रिकेट के दीवाने इस देश के लिए यह उचित ही है कि हम अंत में इसका आकलन करें कि क्रिकेट किस प्रकार "मात्र एक खेल से बढ़कर कूटनीति का एक शक्तिशाली साधन" बन सकता है।

प्रो. मधु भल्ला

संपादक, भारत त्रैमासिक

भारतीय वैश्विक परिषद के बारे में

भारतीय वैश्विक परिषद (ICWA) की स्थापना 1943 में सर तेज बहादुर सप्रू और डॉ एच.एन. कुंजरू के नेतृत्व में प्रख्यात बुद्धिजीवियों के एक समूह द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर एक भारतीय परिप्रेक्ष्य बनाना और विदेश नीति के मुद्दों पर ज्ञान और सोच के भंडार के रूप में कार्य करना था। परिषद आज एक आंतरिक संकाय के साथ-साथ बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से नीति शोध करती है। यह सम्मेलनों, संगोष्ठियों, गोलमेज परिचर्चाओं, व्याख्यानों सहित बौद्धिक गतिविधियों की एक श्रृंखला नियमित रूप से आयोजित करती है और कई प्रकाशनों का प्रकाशन करती है। इसमें एक बहुत सी पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय, एक सक्रिय वेबसाइट है, और यह 'इंडिया क्वार्टरली' पत्रिका प्रकाशित करती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बेहतर समझ को बढ़ावा देने और आपसी सहयोग के क्षेत्रों को विकसित करने के लिए आईसीडब्ल्यूए ने अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों और अनुसंधान संस्थानों के साथ 50 से अधिक समझौता ज्ञापन किए हैं। परिषद की भारत में अग्रणी शोध संस्थानों, थिंक टैंकों और विश्वविद्यालयों के साथ भी साझेदारी है।

मेंटर : राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

संपादक : श्रीमती नूतन कपूर महावर, अपर सचिव, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

प्रबंध संपादक : डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

सहायक संपादक : डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी, अनुसंधान अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

हमसे जुड़ें

/Sapru.House @ICWA_NewDelhi /ICWA_NewDelhi www.icwa.in

/company/indian-council-of-world-affairs1

आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली - 110001 द्वारा प्रकाशित समाचार पत्रक
वेबसाइट: https://www.icwa.in; दूरभाष नं 011-23317246 फैक्स नंबर 011-23310638